कोटद्वार, बुधवार
15 अप्रैल 2026
वर्ष: 48
अंक: 313 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आज जारी होगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

- टॉपर्स को कैश प्राइज और लैपटॉप देगी मध्यप्रदेश की सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम कल 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे घोषित किया जाएगा। रिजल्ट की घोषणा मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से भोपाल स्थित बोर्ड मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की जाएगी। रिजल्ट की ऑफिशियल डेट बोर्ड ने सोमवार को ही जारी कर दी थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी रिजल्ट की तारीख की पुष्टि कर दी थी। इस साल एमपी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले

स्टूडेंट रिजल्ट जारी होने के बाद ऑफिशियल वेबसाइट पर अपना परिणाम चेक कर पाएंगे। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के टॉपर्स का नाम भी जारी किया जाएगा और फिर उसके बाद जो टॉपर्स होंगे उन्हें राज्य सरकार की ओर से कैश प्राइज और अन्य ईनाम के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। राज्य में टॉप पोजीशन हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही प्राइज मनी और ईनाम भी दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले छात्रों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की कैश राशि और लैपटॉप दिया जाएगा। मुख्य पुरस्कारों में मेधावी छात्राओं को स्कूटी और ग्रामीण क्षेत्रों के टॉपर्स को साइकिल दी जा सकती है। 12वीं के जिन स्टूडेंट्स ने 75 परसेंट या उससे ज्यादा नंबर मिलेंगे उन्हें कैश प्राइज मिलेगा। पिछले साल टॉपर्स को यही सब दिया गया था। 2025 में एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं में प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया था। नरसिंहपुर की रहने वाली प्रज्ञा जायसवाल को 500 में से 500 नंबर मिले थे।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

- पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारी भी है।

दिल्ली से देहरादून का सफर अब मात्र ढाई घंटे में

- पीएम मोदी ने किया दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन
- मोदी ने कहा-2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

देहरादून (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।' पीएम ने कहा, कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सराहनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

महिला आरक्षण पर पीएम ने रखी अपनी बात

4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33 फीसदी आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है। मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे।

देवभूमि को गंदगी से बचाना जरूरी

पीएम ने देवभूमि को साफ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक और कचरे से बचना जरूरी है। कुंभ और नंदा देवी राजजात यात्रा को देखते हुए सभी को मिलकर इन जगहों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना होगा। पीएम ने कहा कि सड़क, रेल और एयरवे देश की भाग्य रेखाएं हैं। यह सिर्फ आज की सुविधा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निवेश है। सरकार लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रही है ताकि देश की प्रगति जारी रहे। पीएम सुबह 11 बजे देहरादून पहुंचे और यहां से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर गए। वहां उन्होंने रोड शो किया।

टूरिज्म बना कमाई का सबसे बड़ा जरिया

पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब

विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। पीएम ने कहा कि एक्सप्रेसवे और इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास के गेटवे हैं। इससे समय और खर्च दोनों कम होंगे।

बिहार को मिल गया नया 'सम्राट'

- भाजपा के पहले मुख्यमंत्री का ऐलान, नीतिश की जगह लेंगे

आज होगी ताजपोशी, विधायक दल की बैठक में बने नेता

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। पटना में मंगलवार को हुई भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक में यह ऐलान किया गया। लगभग दो दशक तक बिहार के सीएम रहे नीतिश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सम्राट उनकी जगह लेंगे। बिहार में पहली बार भाजपा का सीएम बनेगा। नीतिश के डिप्टी रहे सम्राट चौधरी अब बिहार में एनडीए सरकार की कमान संभालेंगे। उनके नाम की अटकलें कई दिनों से लगाई जा रही थीं। नई सरकार का शपथ ग्रहण बुधवार को होगा। लोकभवन में सम्राट चौधरी को

राज्यपाल सैयद अता हसनैन मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। उनके साथ कुछ और नेता भी शपथ ले सकते हैं।

विजय सिन्हा ने रखा सम्राट के नाम का प्रस्ताव

बिहार में नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था। बताया जा रहा है कि दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगा दी गई। इसके बाद शिवराज नए सीएम का नाम लेकर पटना पहुंचे। पटना में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी विधायकों ने सहमति दे दी।

तीसरी बार चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बनने जा रहे सम्राट चौधरी लगतार तीसरी बाहर भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए। 2024 में जब नीतिश कुमार महागठबंधन छोड़ एनडीए में लौटे थे, तब सरकार गठन से पहले सम्राट चौधरी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। उस समय वे पहली बार नीतिश सरकार में डिप्टी सीएम बने थे। फिर नवंबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद एनडीए की सरकार बनी, तब भी सम्राट को ही भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। अब नीतिश के इस्तीफे के बाद नई सरकार के गठन से पहले भी उन्हें लगातार तीसरी बार नेता चुना गया है। नई सरकार के गठन को लेकर मंगलवार को पूरे दिन पटना में हलचल रही।

'सबका किनारा', होर्मुज स्ट्रेट में अकेला पड़ा अमेरिका

- यूके से लेकर जापान तक सबने एक साथ खींच लिए हाथ

तेल का दाम बढ़ाकर सहयोगियों को सजा देना चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम का मकसद ईरानी जहाजों की आवाजाही रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि वो जहाज जो ईरान को टोल चुका रहे हैं उन्हें पकड़ा जाए चाहे वो किसी भी देश के हैं। ट्रंप चाहते हैं कि होर्मुज खुलवाने के लिए दुनिया के सभी देश उसके आएं और ईरान से झगड़ा करें। हालांकि दुनिया के ज्यादातर देशों ने ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से साफ इनकार कर दिया है।

होर्मुज की घेराबंदी समझ से परे

हॉर्मुज स्ट्रेट एक संकरा समुद्री मार्ग है जिसका एक हिस्सा सिर्फ करीब 33 किलोमीटर चौड़ा है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के कुल तेल व्यापार का 20 फीसदी हिस्सा इसी रास्ते से होता था। खाड़ी देश जैसे सऊदी, यूएई, कतर और खुद ईरान भी इसी रास्ते से अपने एनर्जी का निर्यात करते हैं। भारत, चीन समेत एशिया के करीब करीब सभी देश इस समुद्री रास्ते पर ऊर्जा आपूर्ति के लिए निर्भर हैं।

ईरान युद्ध के बीच यूएन की डराने वाली रिपोर्ट

भारत में बढ़ सकते हैं 25 लाख गरीब, मुश्किल हो जाएगा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर पूरी दुनिया की ही अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धि- एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास के दबाव को बढ़ा रहा है। इसमें कहा गया कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से घरेलू क्रय शक्ति घट रही है, खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, सरकारी बजट पर दबाव पड़ रहा है और आजीविका कमजोर हो रही है। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 88 लाख लोग गरीबी के जोखिम में आ सकते हैं और इस सैन्य तनाव से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।

गरीबी दर में भी हो सकती है बढ़ोतरी

इसमें कहा गया कि सबसे गंभीर परिदृश्य में भारत की गरीबी दर 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो सकती है जिससे अतिरिक्त 24,64,698 लोग गरीबी में चले जाएंगे। संकट के बाद देश में गरीबी में रहने वालों की संख्या 35.40 करोड़ तक पहुंच सकती है जो पहले 35.15 करोड़ थी। रिपोर्ट में मानव विकास सूचकांक पर प्रभाव का भी आकलन किया गया है। इसमें कहा गया कि भारत में एचडीआई प्रगति में लगभग 0.03 से 0.12 वर्ष तक की गिरावट हो सकती है। इसके बाद नेपाल (0.02–0.09 वर्ष) और वियतनाम (0.02–0.07 वर्ष) का स्थान है जबकि चीन पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम (0.01–0.05 वर्ष) रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है।

इलाज करवाना भी होगा मुश्किल

आतिथ्य, खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण सामग्री, इस्पात आधारित उद्योग और रत्न–हीरा क्षेत्र की छोटी कंपनियों को उच्च लागत, आपूर्ति की कमी और ऑर्डर में देरी या रद्द होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इन परिस्थितियों का असर रोजगार, काम के घंटे और व्यवसाय की निरंतरता पर पड़ सकता है विशेषकर असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों पर। भारत में चिकित्सकीय उपकरणों से जुड़े माल की लागत भी होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है, जबकि दवाओं के थोक दाम पहले ही 10–15 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव एवं एशिया–प्रशांत क्षेत्र के लिए यूएनडीपी की क्षेत्रीय निदेशक कन्नी विग्नराजा ने कहा कि इस स्थिति के बीच देशों के पास दीर्घकालिक मजबूती बढ़ाने के अवसर भी हैं।

दूसरे दिन भी बवाल

नोएडा में थमा नहीं टकराव

- 15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे

राहुल गांधी बोले- यह श्रमिकों की आखिरी चीख

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और रैफ की 15 कंपनियां तैनात हैं।

- **यूपी सरकार ने देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई** – इधर, यूपी सरकार ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर मुहर लगा दी।

राहुल बोले- हर आवाज को अनसुना किया गया

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा– कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते–मांगते थक गया। कल 350 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की थी इससे पहले, नोएडा में सोमवार को अलग–अलग इलाकों में फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे 42 हजार कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। 350 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की। 50 से ज्यादा गाड़ियां फूंक दीं। 150 वाहन तोड़ दिए।

बंगाल में बोले राहुल गांधी, अमेरिका से ट्रेड डील को बताया धोखा

पीएम मोदी देशभक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगाल विधानसभा चुनाव को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला और उन्हें 'देशद्रोही' तक बता डाला। राहुल गांधी ने कहा कि मालदा की रैली में कहा कि पीएम मोदी देश भक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील देश में छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। इसके चलते देश में बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा होगा। उन्होंने इस दौरान एसआईआर की भी बात की। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर में बड़ी

संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और ऐसा करना असंवैधानिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटे हैं। उन्हें कांग्रेस की सरकार आने पर वापस जोड़ा जाएगा।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले मैं कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4 हजार किलोमीटर चला। मेरा इरादा यही था कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। नफरत से देश कमजोर होता है, जैसे परिवार में यह फैल जाती है तो फैमिली खत्म हो जाती है। ऐसी स्थिति देश की होती है। यदि आपने नरेंद्र मोदी का चेहरा देखेंगे तो वह आंख में आंख में नहीं मिला पाते। मैं उनकी आंख में देखता हूं, लेकिन वह नीचे देखते हैं। वह कहते हैं कि हमारी 56 इंच की छाती है, लेकिन यह मजाक है। नरेंद्र मोदी ने तो देश को ही बेच दिया।

ट्रंप से यस सर-यस सर करते हैं पीएम मोदी

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी का पूरा कंट्रोल तो ट्रंप के पास है। ट्रंप यदि कहे कि आप जंप करिए तो कूदेंगे। वह कहे कि मेरे आगे झुक जाओ तो ये झुक जाएं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कृषि सेक्टर अमेरिका के लिए खोल दिया है। इन लोगों ने अमेरिका के साथ ही तेल खरीदने का करार कर लिया है। उनसे कह दिया है कि यदि हम किसी और देश से तेल खरीदेंगे तो आपसे पहले पूछ लेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप से तो नरेंद्र मोदी बस 'यस सर, यस सर' करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का पूरा डेटा ही नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को दे दिया है।

अब रफ्ता–रफ्ता नहीं, पूरी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है भारत : मुख्यमंत्री

– राज्य में विकास की सौगात लेकर आता प्रधानमंत्री का दौरा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की नई सौगात लेकर आता है। उन्होंने कहा आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और उत्तराखंड को 12 हजार करोड़ की लागत से बने एशिया के सबसे लंबे ऐलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की सौगात मिल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में विशेष है। एक ओर जहां दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में उत्तराखंड की विकास यात्रा को नई गति मिल रही है, वहीं यह अवसर भीमराव अंबेडकर की जयंती का भी है। उन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक सौहार्द एवं समरसता को मजबूत करने के लिए वंचित वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने देशवासियों को बैसाखी और सिख नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारे सांस्कृतिक वैभव और कृषि परंपराओं का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने बीते वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। 2014 के बाद भारत ने आधारभूत संरचना, अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे हर क्षेत्र में नई उंचाइयों को छुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी का तीसरा दशक, उत्तराखंड का दशक बताकर सभी का उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने सीमांत गांव माणा में आकर उसे देश का प्रथम गांव घोषित किया, इन्वेस्टर समिट के उद्घाटन पर वेड इन उत्तराखंड का संदेश दिया। आदि–कैलाश का दर्शन कर इस तीर्थ को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई, राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन से देवभूमि को खेलभूमि के रूप पहचान दिलाई, हर्षिल मुखबा से शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा दिया एवं रजत जयंती वर्ष के अवसर पर अगले 25 वर्षों के लिए राज्य को एक नया विजन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बनने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ "विकास भी और विरासत भी'' की अवधारणा के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन का समापन "अब रफ्ता–रफ्ता नहीं, पूरी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है भारत", "अब नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद से जीत रहा है भारत", "अब अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार के साथ–साथ नवाचार में भी कीर्तिमान बना रहा है भारत" कविता से किया।

डबल इंजन का दम— चार साल में उत्तराखंड के विकास को मिली नई रफ्तार

देहरादून। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बीते चार वर्षों के दौरान उत्तराखंड में विकास परियोजनाओं को अभूतपूर्व गति मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में डबल इंजन की अवधारणा जमीन पर उतरी है। वर्तमान में ही केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में दो लाख करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है।केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी, पर्यटन, स्वास्थ्य, धार्मिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए ऑल वेदर रोड परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है, वहीं अब दिल्लीझदेहरादून एक्सप्रेस वे के शुरु हो जाने से प्रदेश की कनेक्टिविटी को नया आयाम मिला है। इस समय सितारगंज से टनकपुर, पौंटा साहिब– देहरादून, भानियावाला – ऋषिकेश, काठगोदाम लालकुंआ– हल्द्वानी बाईपास और रूद्रपुर बाईपास पर भी अलग–अलग चरण में काम चल रहा है।ऋषिकेशझकर्णप्रयाग रेल परियोजना तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रही है, इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 48 हजार करोड़ रुपये की टनकपुर – बागेश्वर रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश में 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

एयर कनेक्टिविटीः बीते चार साल में केंद्र सरकार के सहयोग से जॉलीग्रांट, पंतनगर और पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार किया गया। उड़ान योजना के अंतर्गत प्रदेश में 18 हेलीपोर्ट्स विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 हेलीपोर्ट्स पर हवाई सेवाएं सफलतापूर्वक प्रारंभ की जा चुकी हैं। इससे गौचर, श्रीनगर, चिन्यालीसौड़, हल्द्वानी, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़, पंतनगर, चंपावत, बागेश्वर, नैनीताल और अल्मोड़ा जैसे शहरों के लिए हवाई सेवा शुरु की जा चुकी है। वर्ष 2022 तक राज्य में सिर्फ दो हेलीपोर्ट थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 7 हो गई है। हेलीपैड की संख्या वर्ष 2021–22 में 60 थी जो अब बढ़कर 118 हो चुकी हैं। रोपवे का जाल : केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में रोपवे विस्तार के लिए पर्वतमाला परियोजना संचालित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत रानीबाग से नैनीताल, पंचकोटी से नई टिहरी, खलियाटॉप से मुन्स्यारी, हरकी पौड़ी से चंडी देवी मंदिर, ऋषिकेश से नीलकंठ महादेव तथा औली से गौरसों तक रोपवे विकास की प्रक्रिया जारी है। केंद्र सरकार के सहयोग से गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक, गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे परियोजनाओं का निर्माण भी शीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पहचान छिपाकर हरिद्वार में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक दो साल पहले छात्रा की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से मोनू शेख उर्फ समीर से हुई थी। आरोप है कि युवक ने खुद को हिंदू बताकर उससे बातचीत शुरू की और धीरे–धीरे दोस्ती कर उसे अपने प्रभाव में ले लिया। इसके बाद वह कई बार छात्रा को घर और स्कूल से अपनी कार में बैठाकर अलग–अलग स्थानों पर ले जाता रहा। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर जटवाड़ा नहर पटरी क्षेत्र में कार के भीतर ही छात्रा के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। कुछ समय पहले युवक की वास्तविक पहचान का पता चला, जिस पर विरोध जताने पर उसने कथित तौर पर कहा कि यदि वह सच बताता तो वह उसके जाल में नहीं फंसती। पुलिस ने मामला सामने आने के बाद मंगलवार को आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मालूम हो कि छात्रा दसवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही है, जबकि आरोपी शेख कार चालक है। इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

चम्पावत में गोलज्यू महोत्सव की तैयारी तेज

चम्पावत। चम्पावत में गोलज्यू महोत्सव की तैयारी तेज हो गई है। मई में होने वाले महोत्सव में तीन सौ अस्थाई टीन शेड बनाए जाएंगे। दस दिन तक चलने वाले महोत्सव में सांस्कृतिक समेत तमाम अन्य गतिविधियां होंगी। जिला मुख्यालय में मई में होने वाले गोलज्यू महोत्सव को लेकर पालिका ने तैयारी शुरू कर दी है। महोत्सव में लगने वाली अस्थायी दुकानों के साथ ही शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महोत्सव के दौरान गोरलचौड़ मैदान में दुकानदारों के लिए 300 अस्थायी टिन शैड बनाए जाएंगे। ईओ भरत त्रिपाठी के अनुसार महोत्सव में लगने वाले पांडाल, वाटरफ्रूफ स्टेज निर्माण, पंडाल में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, साज सज्जा और पंडाल परिसर में एलईडी स्क्रीन सहित अन्य व्यवस्था के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू की गई है। महोत्सव परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडेय ने बताया कि चिन्हित किए गए स्थानों में झूले, ज्वाइंट व्हील, कोलम्बस, नाव, ड्रेगन ट्रेन, मारुति सर्कस, जम्पिंग, नैनो, बतख, हैलीकाप्टर, मिक्की माउस आदि की व्यवस्था की जाएगी।

ग्यारह दिन पहले घर से लापता हुए युवक का शव बरामद

रुड़की। तीन अप्रैल को घर से निकले युवक का शव सोमवार की देररात मोहम्मदपुर झाल से बरामद हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। युवक की मौत से परिवार में मातम का माहौल है। लक्सर कोतवाली पुलिस के अनुसार कस्बा निवासी मनीष पुंडीर उर्फ नीरज लाठ-रदेवा पिछले कई साल से रायसी रोड मोहल्ले में रह रहा था। तीन अप्रैल को वह बाइक से घर से निकला था। इसके बाद परिवार वालों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी। तभी से पुलिस व परिजन उनकी तलाश में जुटे थे। मृतक के बेटे अभय पुंडीर ने बताया कि सोमवार की देर शाम उनके पिता का शव मोहम्मदपुर झाल से मिल गया। इसके बाद मौके पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत पर जताई नाराजगी

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने हल्द्वानी में गैस किल्लत को लेकर जिला प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कालाबाजारी में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।संगठन के केंद्रीय संयोजक डॉ. धर्म यादव और प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने जारी बयान में कहा कि सरकार गैस की पर्याप्त आपूर्ति का दावा कर रही है, इसके बावजूद हल्द्वानी सहित पूरे जिले में लोगों को लाइनों में लगना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर जारी एसओपी का पालन नहीं हो रहा है और गैस कंपनियों के कर्मचारियों की मनमानी के चलते व्यापारियों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। कालाबाजारी की शिकायतें सामने आने के बावजूद संबंधित अधिकारी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। व्यापार मंडल ने मांग की है कि गैस की कालाबाजारी पर तुरंत रोक लगाई जाए और दोषियों को जेल भेजा जाए, अन्यथा संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

खालसा चेतना मार्च में उमड़ी संगत

रुद्रपुर। खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व पर मंगलवार को गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा, सितारगंज से गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब तक 20वां महान खालसा चेतना मार्च निकाला गया। गुरुद्वारा में अरदास के बाद श्री गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन शुरू हुआ। सिख संगत सेवा सोसायटी की ओर से निकले मार्च का नगर के मुख्य चौक, महाराणा प्रताप चौक, तुर्कातिसौर, बधौरा, चीकाघाट, सिसईखेड़ा, बिडौरा और नानकमत्ता में जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया। मार्ग में महिलाएं झाड़ू लगाकर सफाई करती रहीं, जबकि संगत ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धा प्रकट की। श्रद्धालुओं ने पालकी में मत्था टेककर सुख–समृद्धि की कामना की और धार्मिक जत्थों ने गुरुओं की महिमा का गुणगान किया। बैगपाइपर बैंड आकर्षण का केंद्र रहा,

खास तोहफाः खूबसूरत गलियारा, हर किसी को प्यारा

– दिल्ली–दून एक्सप्रेस वे पर बने एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर की बात ही निराली

देहरादून। यूं तो पूरा दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे ही शानदार है, लेकिन इसका 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर अपनी तमाम खूबियों के कारण ध्यान खींचता है। यह एक ऐसा गलियारा है, जो हर किसी को प्यारा है। बेरोक–टोक घूमते वन्य जीवों की लिए यहां सुरक्षा की ऐसी गारंटी बुनी गई है, जो आश्वस्त करती है। दिल्ली–दून एक्सप्रेस वे से गुजरते हर एक यात्री के लिए भी इस कॉरिडोर को निहारना सुखद अहसास करने जैसा है।

तीन जोन में बंटा है वाइल्ड लाइफ कॉरिडोरः दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे पर बनाए गए एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर को भारतीय वन्य जीव संस्थान ने तीन जोन में बांटा है। इसमे गणेशपुर, मोहंड और आसारोडी देहरादून तक के क्षेत्र को शामिल किया गया है। एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर की कुल लंबाई 12 किलोमीटर है।

यूं निकली वन भूमि से कॉरिडोर की राहः दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे प्रोजेक्ट का आखिरी 20 किलोमीटर का भाग उत्तर प्रदेश के शिवालिक वन प्रभाग और उत्तराखंड के राजाजी नेशनल टाइगर रिजर्व व देहरादून वन प्रभाग के घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। राष्ट्रीय राजमार्ग–72 ए में गणेशपुर से देहरादून तक इस प्रोजेक्ट में उत्तराखंड की 9.6224 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तांतरण हुआ है, जबकि उत्तर प्रदेश के हिस्से वाली 47.7054 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करनी पड़ी है। इसके लिए दोनों राज्यों में वर्ष 2019–20 में डीपीआर तैयार की गई थी। उत्तर प्रदेश में वन भूमि हस्तांतरण की स्वीकृति 20 जुलाई 2021 को प्राप्त हुई, जबकि उत्तराखंड के लिए यह स्वीकृति 27 अप्रैल 2022 को प्रदान की गई ।

खूबियों की झलक, एक नहीं, कई सारे लाभ

01–कॉरिडोर के निर्माण से वन्यजीवों का आवागमन अधिक सुरक्षित व सुगम हो गया है। वन्य जीवों की दुर्घटनाओं में होने वाली क्षति न्यून हो गई है । लगातार निरीक्षण में देखा गया है कि हाथी समेत नीलगाय, सांभर, लैपर्ड, जंगली सुअर और अन्य वन्य जीव इस कॉरिडोर का सहजता से उपयोग कर रहे हैं।

02–पहली बार विस्तृत भाग में नदी व वन क्षेत्र से एलिवेटेड मार्ग का निर्माण किया गया है। इस वजह से इस प्रोजेक्ट को अमली जामा पहनाने के दौरान किसी भी प्रकार का मानव विस्थापन नहीं हुआ है।

03–कॉरिडोर निर्माण से वन्य जीवों के विचरण का दायरा बढ़ने से उत्तम गुणवत्ता का वन्य जीव जीन पूल तैयार हो सकेगा।

04–पूर्व में स्थानीय लोगों द्वारा बंदरों को भोजन खिलाने की प्रवृत्ति से दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। वर्तमान में इस समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

05–वन्य जीवों के सुरक्षित आवागमन की सुविधा के लिए ध्वनि व वायु प्रदूषण को न्यून किया गया है।

06–अगले 20 वर्षों में 2 .44 मिलियन टन कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। यह लगभग 65 लाख वृक्षों के समान है। लगभग 19 प्रतिशत ईंधन की बचत होगी।

दिल्ली — देहरादून एक्सप्रेस वे की विशेषताएं

शामिल राज्य झ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड

कुल लंबाई 213 किलोमीटर

लागत 11,963 करोड़

12 किलोमीटर लंबा एशिया का सबसे लंबा वाइल्ड लाफ कॉरिडोर

200 मीटर लंबे 2 एलिफिटेंट अंडरपास, 6 एनिमल पास

370 मीटर लंबी सुरंग डाटकाली के पास

6 लेन का एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर

2 आरओबी, 10 पुल, 7 इंटरचार्ज

2.5 घंटे में होगा दिल्ली का सफर

20 किलोमीटर वन क्षेत्र शामिल है एक्सप्रेस वे प्रोजेक्ट में

19 प्रतिशत ईंधन की बचत होने का अनुमान

1.95 लाख पेड़ लगाए गए हैं प्रतिपूरक वृक्षारोपण कार्य के लिए

33,840 पेड़ों का कटान बचा आधुनिक तकनीकी के प्रयोग से।

नितिन गड़करी ने रखा विकास परियोजनाओं का विवरण

देहरादून। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने अपने संबोधन में कहा कि दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर उत्तराखण्ड के विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड में करीब एक लाख 30 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।श्री गडकरी ने कहा कि सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन रोड़ का भी जून में उद्घाटन होने जा रहा है। इसी तरह 1650 करोड़ के लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोर लेन मार्ग अगले महीने तक शुरु हो जायेगा। 1600 करोड़ की लागत से हरिद्वार में फोर लेन ग्रीन फील्ड बाईपास फेज–1 अक्टूबर, 2026 तक पूरा हो जायेगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश जाने में ट्रेफिक जाम की समस्या हल होगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 1100 करोड़ की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को भी मंजूरी प्रदान कर दी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू हो जायेगा।उन्होंने कहा कि 1050 करोड़ की लागत से 21 किमी. लम्बा रूद्रपुर में फोरलेन बाईपास इसी साल अक्टूबर और 936 करोड़ की लागत से 15 किमी. लम्बा काशीपुर से फोरलेन बाईपास दिसंबर 2026 में पूरा होगा। साथ ही 716 करोड़ की लागत से 12 किमी. लम्बा देहरादून – झाझरा – आशारोड़ी फोर लेन एलिवेडेट रोड़ अगले साल अप्रैल और 745 करोड़ की लागत से 20 किमी. लम्बा भानियावाला, जौलीग्रांट से ऋषिकेश तक फोर लेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा। साथ ही साथ 800 करोड़ की लागत से श्रीनगर में भी टू लेन बाईपास की भी डीपीआर बन रही है। उन्होंने कहा कि पहले हमें मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था। लेकिन अब 5200 करोड़ रूपये की लागत से टनकपुर–पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है।इसी तरह 12 हजार करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी. का काम पूरा हो चुका है। 1300 करोड़ की लागत से रूद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक का कार्य दिसम्बर 2026 तक शुरू किया जायेगा। इसके साथ–साथ गंगोत्री धाम जाने के लिए 142 किमी का काम पूरा हुआ है और बाकी 100 किमी. का काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है। यमुनोत्री धाम में 2500 करोड़ की लागत से धरासू से यमुनोत्री तक 46 किमी. का काम पूरा हो चुका है तथा 30 किमी. का काम अप्रैल, 2028 तक पूरा हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार सोनप्रयाग – केदारनाथ रोपवे और गोंविदघाट से हेमकुंड साहिब पर भी काम कर रही है। प्रदेश में अनेक जगहों पर टनल भी बनाई जा रही है।

ये रहे उपस्थितः कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल ले.ज (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी भूषण, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, श्रीमती रेखा आर्य, खजान दास, डॉ. धन सिंह रावत, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, राम सिंह कैड़ा, भरत चौधरी, प्रदीप बत्रा सांसद अनिल बलूनी, अजय भट्ट, माला राज्यलक्ष्मी शाह, नरेश बंसल उपस्थित हुए। वहीं, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता वर्चुअल माध्यम से शामिल हुईं।

रोजगार और पर्यटन का ग्रीन कॉरिडोर बनेगा दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण कर दिया है। इसके साथ ही उत्तराखंड के लिए रोजगार और पर्यटन का ग्रीन कॉरिडोर शुरू हो गया है। अब दिल्ली– देहरादून का सफ़र महज़ ढाई घंटे का में पूरा हो जाएगा इसके साथ ही चारधाम यात्रा, कॉर्बेट एवं राजाजी नेशनल पार्क, मसूरी, टिहरी और उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर आने वाले सैलानियों की बड़ी संख्या में तादात बढ़ने की उम्मीद है।

यह कॉरिडोर केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला "ग्रीन कॉरिडोर" साबित होने जा रहा है। यह कॉरिडोर पहाड़ और मैदान के बीच दूरी को कम करते हुए किसानों, उद्यमियों और स्थानीय उत्पादकों को सीधे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा।

अब हर्षिल के प्रसिद्ध सेब, जोशीमठ और चकराता की राजमा, पुरोला के लाल चावल, तथा रुद्रप्रयाग के बुरांश का जूस जैसे पारंपरिक और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज़ी से और कम लागत पर बड़े शहरों तक पहुँच सकेंगे। लॉजिस्टिक लागत में कमी आने से किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिरता आएगी।

राज्य में कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और एग्री–लॉजिस्टिक्स जैसे सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा । इसके माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

चिर परिचित अंदाज में फिर प्रकट किया उत्तराखंड प्रेम

– एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का जबरदस्त लोकल कनेक्ट

देहरादून। सिर पर ब्रहमकमल टोपी, भाषण में गढ़वाली–कुमाऊंनी के छोटे–छोटे वाक्य और भावनाओं में उत्तराखंड की बेहतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ये तीन बातें मंगलवार को एक बार फिर से दिखाई दीं। दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने चिर परिचित अंदाज में एक बार फिर साबित किया कि उत्तराखंड की प्रगति से उनका खास वास्ता है। अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी बहुत खूबसूरती से लोकल कनेक्ट करते हैं। इसी लिए चाहे वेशभूषा हो, भाषा शैली हो या फिर स्थानीय जगहों के नाम का उल्लेख हो, प्रधानमंत्री हर बात का खास ख्याल करते हैं। ये ही वजह है कि उनके भाषण की शुरूआत में इस बार भी भुला–भुलियों, सयाणा, आमा, बाबा जैसे पहाड़ी बोली–भाषा के शब्दों ने प्रमुखता से स्थान पाया। एक्सप्रेस वे के निर्माण में मां डाटकाली के आशीर्वाद का प्रधानमंत्री ने खास तौर पर जिक्र किया। ये भी जोड़ा कि देहरादून पर मां डाटकाली की कृपा है। उत्तराखंड से लगे उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित संतला माता मंदिर का भी उन्होंने स्मरण किया। प्रधानमंत्री ने हरिद्वार कुंभ, नंदा राजजात से लेकर पंच बदरी, पंच केदार, पंच प्रयाग का भी प्रभावपूर्ण जिक्र कर जबरदस्त लोकल कनेक्ट किया।

पीएम–सीएम की फिर दिखी मजबूत बांडिंगः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मजबूत बांडिंग एक बार फिर प्रदर्शित हुई। अपने संबोधन में प्रधाानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री के लिए लोकप्रिय, कर्मठ और युवा जैसे शब्दों का प्रयोग किया। जिस वक्त केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जनसभा को संबोधित कर रहे थे, उस दौरान मोदी–धामी के बीच किसी विषय पर वार्तालाप हुआ। मुख्यमंत्री की बात को गौर से सुनते हुए प्रधानमंत्री दिखाई दिए।

हिल बाईपास की मरम्मत में तेजी लाई जाए : मेलाधिकारी

विकासनगर। बैसाखी पर मेलाधिकारी सोनिका ने हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कुंभ मेले की तैयारियों और जमीनी चुनौतियों का जायजा लिया। उन्होंने हरकी पैड़ी में गंगा स्नान कर आगामी कुंभ के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मां गंगा से प्रार्थना की। अगले साल 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के पावन पर्व पर कुंभ का प्रमुख अमृत स्नान होना है। इसे देखते हुए मेला प्रशासन ने सभी कार्यों को काउंटडाउन मोड में डालते हुए समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की कवायद शुरू कर दी है। सभी विभागों को लक्ष्य और समय–सीमा तय कर कार्यों की सतत निगरानी व नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं। गंगा स्नान के बाद मेलाधिकारी ने हरकी पैड़ी क्षेत्र, हिल बाईपास, मनसा देवी पैदल मार्ग, मोतीचूर रेलवे स्टेशन, औद्योगिक क्षेत्र मार्ग, हरिद्वार रेलवे स्टेशन मार्ग, सिंहद्वार, कांवड़ पटरी मार्ग, शंकराचार्य चौक, कनखल क्षेत्र, आस्था पथ और रोड़ी–बेलवाला सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों, पुलों, सड़कों, पैदल मार्गों, पार्किंग व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं की स्थिति देखी और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी संभावित चुनौतियों का आकलन किया।

बैसाखी स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंजी हरकी पैड़ी

हरिद्वार। बैसाखी पर्व पर मंगलवार सुबह हरकी पैड़ी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए घाटों पर पहुंचने लगे। पूरे क्षेत्र में गंगा मैया की जय के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने आस्था और श्रद्धा के साथ गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। घाटों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। पर्व के चलते हरिद्वार शहर में खासा उत्साह देखने को मिला। बाजारों में रौनक बढ़ गई और पूजा सामग्री की दुकानों पर भीड़ रही। मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर दिनभर पूजा–अर्चना और भजन–कीर्तन का दौर चलता रहा।

काफी संख्या में पहुंची देव डोलियांः बैसाखी स्नान पर्व के दौरान उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से देवताओं की डोलियां लेकर श्रद्धालु हरकी पैड़ी गंगा घाट पहुंचे। यहां विधि–विधान से देव डोलियों को गंगा में स्नान कराकर पूजा–अर्चना की गई। इसके उपरांत गाजे बाजे के साथ श्रद्धालु डोली लेकर अपने क्षेत्र को रवाना हुए। पार्किंग वाहनों से भरीः मंगलवार को बैसाखी पर्व पर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और यूपी के अलग–अलग शहरों से श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने धर्मनगरी पहुंचे। इसके चलते वाहनों का दबाव भी अधिक देखने को मिला। हरकी पैड़ी के निकट पंडित दीनदयाल पार्किंग, रोड़ी बेलवाला पार्किंग, गड्ढा पार्किंग वाहनों से अटी नजर आई। रोड़ी बेलवाला के निकट बनी पार्किंग मंगलवार को भी चारपहिया वाहनों से खचाखच दिखी।

एक नजर

धूमधाम के साथ मनाया बैशाखी का पर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गोविंद नगर स्थित गुरुद्वारा में वैशासी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। मुख्य ग्रंथी ने अखंड पाठ व अरदास कर कीर्तन भजन प्रस्तुत किए। इस मौके पर गुरूद्वारे को खूबसूरत ढंग से सजाया गया।

मंगलवार को बैशाखी पर्व पर सुबह से ही गुरूद्वारा में श्रद्धालुओं का जुटना शुरू हो गया। मुख्य ग्रंथी आकाश दीप सिंह ने गुरू ग्रंथ साहब का अखंड पाठ किया। साथ ही कीर्तन–भजनों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य ग्रंथी ने कहा कि आज ही दिन वर्ष 1699 में गुरू गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की नींव रखी थी। उन्होंने गुरूओं के दिए गए संदेश का अनुपालन करने का आग्रह किया कि बैसाखी एक पवित्र पर्व है, जो पूरे समाज को आपसी भाईचारा व प्रेम का संदेश देता है। इस मौके पर गुरूद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अनिल भोला, अश्वनी भाटिया, गोल्डी भाटिया, महेश भाटिया, गुरूबच्चन सिंह मौजूद रहे।

शिवम नेगी अध्यक्ष व उत्कर्ष बने सचिव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः देवभूमि पहल समिति की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किय गया। कार्यकारिणी में शिवम नेगी को अध्यक्ष व उत्कर्ष नेगी को सचिव चुना गया। अन्य पदों पर शालिनी नेगी को उपाध्यक्ष, सौरभ धूलिया को कोषाध्यक्ष, शालिनी कुलाश्री को सहसचिव की जिम्मेदारी दी गई। साथही नैंसी रावत, रोहित कुमार, अभय जुयाल, सुशांत कोहली, को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष शिवम नेगी ने सभी स्वयंसेवकों से अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य के अनुसार सामाजिक कार्यों में जुटने का आग्रह किया।

कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज के हित को सार्थक किया जा सकता है।

शिविर में किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) की ओर से एचएनबी बेस हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना के नेतृत्व में आयोजित शिविर में युवाओं और एमबीबीएस के छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा, डॉ. दीपा हटवाल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. एएन पांडेय व एनएमओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सीबी त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। समन्वयक डॉ. अमन भारद्वाज ने बताया कि शिविर में कुल 30 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। अभिषेक, सिमरन, कनिष्का, खुशबू, श्याम, हिमांशी, ऋषु, कुणाल, विनीत और पूजा सहित कई छात्र–छात्राओं ने रक्तदान किया।

जब्त किए सामान का किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कोतवाली पुलिस ने वर्ष 2020 से 2026 तक पंजीकृत विभिन्न अभियोगों में जब्त माल का विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत निस्तारण किया। इसके तहत एक्साइज एक्ट के अंतर्गत जब्त कुल आग अभियोगों के माल व एक आईपीसी अभियोग से संबंधित माल को नियमानुसार नष्ट किया गया।

कोतवाली निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल के आदेशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी नरेंद्र नगर के निर्देशन में चलाए जा रहे पुराने माल मुकदमातियों के निस्तारण अभियान के तहत कोतवाली कीर्तिनगर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि यह समस्त कार्य न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कीर्तिनगर की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए संपन्न कराया गया।

नागराजा की डोली आठ गांव के भ्रमण पर निकली

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के आराध्य देव भगवान श्रीकृष्ण नागराज की डोली एक गते बैसाख (मंगलवार) को आठ गांवों के भ्रमण पर निकली। नागराजा की डोली और निशान को ढोल–दमाऊं के साथ श्रद्धालुओं ने कंडीसौड़ स्थित भागीरथी तट पर स्नान करवाया। नागराजा के पुजारी कृष्ण गोपाल भट्ट ने बताया कि डोली आठ दिनों तक गैर, रैदूणी, डांग, क्यारी, झकोगी, कंस्यूड, बांडा आदि गांव का भ्रमण करेगी। इस दौरान नागराजा की डोली के साथ गांव के प्रत्येक परिवार के सदस्य शामिल रहेंगे।

स्थानीय निवासी खेम सिंह बरोली ने बताया प्रसिद्ध सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर के करीब 500 मीटर नीचे डांग गांव में नागराजा का पौराणिक मंदिर है। डांग निवासी एवं थौलधार ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि आठ गांव के आराध्य देवता नागराजा बैसाखी संक्रांति पर हर तीसरे वर्ष मंदिर से बाहर आते हैं। भ्रमण के दौरान आठों गांवों में मेले का आयोजन होता है। इस मौके पर चतर सिंह सेनवाल, गोविंद सिंह, हुकम सिंह, राजेंद्र सिंह पंवार, विक्रम सिंह नेगी, सुखबीर सिंह नेगी, पवन सिंह बरौली आदि मौजूद थे।

बाबा साहब ने बेहतर समाज निर्माण में दिया योगदान

अंबेडकर जयंती पर मालवीय उद्यान में आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर डा.भीमराव आंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाबा साहेब के योगदान को याद किया गया। साथ ही लोगों ने बाबा साहब के विचारों को को जन-जन तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया। कहा कि बेहतर समाज निर्माण में दिया गया बाबा साहेब का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। मंगलवार को मालवीय उद्यान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व कबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, पूर्व महापौर हेमलता नेगी, मुख्य संयोजक विकास आर्य ने संयुक्त रूप से बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब ने देश की व्यवस्था को बेहतर तरीके से चलाने के लिए संविधान का निर्माण

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि

किया। डा.भीमराव आंबेडकर को बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। वह शोषित वर्ग की आवाज उठाते रहे। बाबा साहेब ने देश के लोगों को शिक्षित बनने का संदेश दिया। बाबा साहेब का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा दायक है। युवाओं को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में समाज में अभी भी छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीति देखने को मिलती है। जिसे दूर करने की सख्त जरूरत है। इसके लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दौरान तहसील परिसर में बाबा साहेब की मूर्ति स्थापित करने की भी मांग उठाई गई। कहा कि शासन–प्रशासन को इसके लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

द्वारीखाल में हुआ कार्यक्रम

भीमराव अंबेडकर की जंयती पर शैल शिल्पी विकास संगठन की ओर से द्वारीखाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को बाबा साहेब के विचारों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर राजेंद्र सिंह, ओमप्रकाश, विजेंद्र प्रसाद्, ओमप्रकाश, सैन सिंह, भावना देवी, वीरेंद्र कुमार, मणी लाल, मनोज कुमार, धीरज लाल, रामेश्वर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

स्थानीय खाद्य पदार्थों को अपनाने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विकासखंड दुगड्डा में आयोजित पोषण रेसिपी मेले में आमजन को संतुलित व पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई। इस दौरान लोगों से स्थानीय खाद्य पदार्थों को अपनाने की अपील की गई।

आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला में टेक होम राशन व पके हुए भोजपा के बारे में विभिन्न जानकारी दी गई। साथ ही संतुलित व पौष्टिक व्यंजन तैयार कर उनका आकर्षक पदर्शन किया गया। साथ ही हर व्यंजन के गुणों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमें संतुलित व पौष्टिक आहार खाना चाहिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सूरज नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख सुनील नेगी, खंड विकास अधिकारी विद्यादत्त रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

भाषण में शिवांगी व निबंध में राधिका रही अव्वल

आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अंबेडकर जयंती पर राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाषण प्रतियोगिता में शिवांगी व निबंध में राधिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी।

विद्यालय परिसर में बाबा साहेब डा.आंबेडकर का जन्म दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। वक्ताओं ने डा.आंबेडकर को युगपुरुष बताते हुए राष्ट्र के निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कहा कि वह संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे, जिसने संविधान को तैयार करने में प्रभावी भूमिका अदा की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में शिवांगी प्रथम, वैशाली द्वितीय व अभिषेक तृतीय रहे। निबंध प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में राधिका, त्रिवेंद्र, रूबिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। जबकि, सीनियर वर्ग में असरा, वैष्णवी व मानसी प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। पोस्टर प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में गौरव, राधिका व वैष्णवी और सीनियर वर्ग में तरुण कुमार, शिवांगी भाटिया एवं स्वयं गुसांई ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बाबा साहेब ने दिखाई समाज को नई राह

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें वक्ताओं ने बाबा साहेब के योगदान को याद किया।

मुख्य अतिथि डॉ. हरप्रसाद शास्त्री विशिष्ट अतिथि डॉ. राम नाथ शर्मा ने विद्यार्थियों को बाबा साहेब के इतिहास के बारे में बताया। प्राचार्य प्रो. हरिश्चंद्र ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ. अनुराग शर्मा द्वारा संगोष्ठी के उद्देश्यों को प्रस्तुत करते हुए बाबासाहेब के जीवन, कार्यों एवं योगदान पर प्रकाश डाला गया। मुख्य वक्ता डॉ. हरप्रसाद शास्त्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक न्याय, समानता, संवैधानिक अधिकार तथा शिक्षा आदि अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की । कार्यक्रम का संचालन का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ. कविता अहलावत द्वारा किया गया।इस मौके पर डॉ. गीता रावत शाह, विमल कुकरेती, डॉ. दिवाकर बौद्ध, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. कविता अहलावत, डॉ. अंजू थपलियाल, श्रीमती गीता, डॉ. दीप्ति मैठाणी,डॉ. दीपाली रतूड़ी, श्री मति आकांक्षा बिष्ट, भरत सिंह रावत, जयदीप सिंह नेगी, बलवंत सिंह रावत, भारत सिंह बिष्ट, शैलेश घनशेला, जयदेव सिंह बिष्ट, आशुतोष रावत, सुमन नेगी, अजय रावत, जितेंद्र, सन्नी नेगी, रोहन वेद, रविंद्र गुसाईं आदि मौजूद रहे।

रैली निकालकर आग से बचाव की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि, कोटद्वारः अग्निशमन विभाग की ओर से मनाए जा रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह के प्रथम दिन रैली निकालकर लोगों को आग से बचाव की जानकारी दी गई। कहा कि आग से होने वाले खतरे को रोकने के लिए आमजन का जागरूक होना आवश्यक है।

मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विभाग ने लोगों को जागरूकता से संबंधित पर्चे भी वितरित किए। कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों का जागरूक होना आवश्यक है। आमजन को अग्निशमन यंत्रों की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही कहीं भी आग लगने की घटना होने पर उसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दें। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी महताब अली खान ने बताया कि अग्निशमन सप्ताह के तहत दमकल विभाग विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। रैली के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर भी मौजूद रहे। इस दौरान दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहीद फायर कर्मियों को श्रद्धांजलि देते पुलिस अधिकारी

घर-घर स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र में घरों में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने का रुका हुआ काम एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। ऊर्जा निगम ने इस अभियान को अब तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी कर ली है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भले ही कुछ उपभोक्ता अभी इसका विरोध कर रहे हों लेकिन आने वाले समय में सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगवाना पूरी तरह अनिवार्य होगा।

श्रीनगर विद्युत विभाग के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीकोट क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम लगभग 90 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, श्रीनगर मुख्य शहर के विभिन्न मोहल्लों में भी काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक कंसमर्दिनी, डाक बंगला, कमलेश्वर और ब्राह्मण मोहल्ला में करीब 500 स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। विभाग का लक्ष्य जल्द से जल्द पूरे नगर निगम क्षेत्र को स्मार्ट मीटर से कवर करना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता वर्तमान में स्मार्ट मीटर लगाने पर आपत्ति जता रहा है तो विभाग फिलहाल उनके यहां मीटर नहीं लगा रहा है। हालांकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकारी गाइडलाइन के अनुसार हर घर में स्मार्ट मीटर लगना अनिवार्य है। ऐसे में जो लोग अभी आनाकानी कर रहे हैं, उन्हें भी अंततः यह मीटर लगवाना ही पड़ेगा। विभाग जल्द ही सभी इलाकों में यह कार्य पूरा कर लेगा।

पंजीकरण काउंटर से लेकर मंदिर परिसर तक तैनात करें पुलिस बल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त पुलिस महानिरीक्षक, साइबर व एसटीएफ नीलेश आनंद भरणे ने जवाड़ी बाईपास से लेकर गौरीकुंड तक का निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग, यातायात, पार्किंग व पुलिस की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व पुलिस चौकी भवन में आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पंजीकरण काउंटर से लेकर हेलिपैड व मंदिर परिसर तक प्रभावी पुलिस बल नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने केदारनाथ धाम में यात्रा व्यवस्था तथा बर्फ हटाने के कार्य में लगे प्रशासनिक अधिकारियों, मंदिर सुरक्षा में तैनात आईटीबीपी और पुलिस जवानों से संवाद कर वर्तमान में आ रही चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने गौरीकुंड से आगे पैदल मार्ग, घोड़ा पड़ाव, शटल सर्विस, तप्त कुंड का निरीक्षण कर आवश्यक पुलिस प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंग व्यवस्थाएं भी देखीं। हेलिकॉप्टर टिकटों के नाम पर होने वाली ठगी से बचाव के उपाय सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी रखे जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर, पुलिस उपाधीक्षक विकास पुण्डीर, प्रभारी निरीक्षक राकेंद्र कठैत, राकेश कुमार, चौकी प्रभारी गौरीकुंड रघुवीर सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

चिनग्वाड़ और बीरों क्षेत्र से सटे जंगलों में लगी आग

रुद्रप्रयाग। मौसम साफ होने के बाद जनपद में वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गई हैं। मंगलवार को जिला मुख्यालय के चिनग्वाड़ और बीरों क्षेत्र से सटे जंगलों में आग लग गई जिससे आसपास के क्षेत्र में धुआं और धुंध फैल गई। आग करीब एक हेक्टेयर वन क्षेत्र में तेजी से फैल गई थी जिससे बड़ा वन क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार के साथ 16 सदस्यीय दल मौके पर पहुंचा। तेज धूप और धुएं के बीच कई घंटे की मशक्कत के बाद वन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी माना जा रहा है। उधर तिलवाड़ा क्षेत्र के कंडाली के पास भी जंगल में आग लग गई। वन विभाग की टीम आग बुझाने में जुटी है।

लायंस क्लब ने स्कूल को दिए वाटर कूलर

विद्यालय को वाटर कूलर भेंट करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा पानी उपलब्ध करवाने के लिए लायंस क्लब डिग्निटी ने रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर को वाटर कूलर दिए। इस दौरान बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने बच्चों को पढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने वालों को मंजिल अवश्य प्राप्त होती है। विद्यालय के परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी ने बताया कि क्लब के अध्यक्ष प्रशांत रस्तोगी, सचिव आशीष अग्रवाल व कोषाध्यक्ष हितेश गोयल ने विद्यालय को वाटर कूलर भेंट किए। प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने बताया कि क्लब की ओर से समय-समय पर विद्यालय को मदद दी जाती है। शिक्षा के लिए दिया जा रहा क्लब का एक महत्वूपर्ण योगदान है। इस मौके पर डा.विनय, डा.विनय सिसोदिया, विशाल मल्होत्रा, डा.एसके खट्टर, रचित बंसल, कालिका प्रसाद नैथानी, राजेंद्र जखमोला, रविंद्र सिंह नेगी, विवेक अग्रवाल, टीआर पांथरी आदि मौजूद रहे।

प्रवासी चंद्र प्रकाश कुकरेती बने गांव के बदलाव की मिसाल

पत्नी की स्मृति में सेवा कार्य, मंदिरों का जीर्णोद्वार सहित अन्य कार्यों में दिया योगदान भीमराव अंबेडकर व पत्नी की स्मृति में दिव्यांगों की मदद के लिए भी बढ़ाया हाथ

पौड़ी। (जगमोहन डांगी)

कहते हैं कि अगर सोच और संकल्प मजबूत हो तो बदलाव के लिए सरकारी तंत्र का इंतजार जरूरी नहीं होता। ऐसा ही उदाहरण पेश किया है पट्टी मनियारस्यूं के ग्राम बुटली निवासी प्रवासी नागरिक चंद्र प्रकाश कुकरेती ने जिन्होंने अपने संसाधनों से गांव के विकास की नई तस्वीर गढ़ी है।

शहर में रहने के बाद भी चंद्र प्रकाश कुकरेती का अपने गांव के प्रति लगाव है। उनकी धर्मपत्नी स्व. नीलम कुकरेती की प्रथम पुण्यतिथि पर पैतृक गांव बुटली में पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को उपहरण भी वितरित किए गए। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति उनकी

संवेदनशीलता को भी दर्शाती है। चंद्र प्रकाश कुकरेती इससे पहले भी अपने गांव में कई उल्लेखनीय कार्य कर चुके हैं। उन्होंने मां बाल कुंवारी देवी और इष्टदेव नागराजा मंदिर का पुन्य जीर्णोद्वार कर उन्हें भव्य आकर्षक स्वरूप आकर दिया है। मंदिर के आकृति देने के लिए बकायदा उड़ीसा प्रांत से विशेष कारीगरों को बुलवाया गया इतना ही नहीं,उन्होंने अपने निजी संसाधनों से आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ रहे छोटे बच्चों के लिए झूला लगाए। इसके अलावा मुख्य सड़क से मंदिर तक लगभग 50-50 मीटर के संपर्क मार्ग सीसी खड़ीचा निर्माण करवाया। यह कार्य कहीं न कहीं सरकारी तंत्र को भी आईना दिखाता है कि इच्छाशक्ति हो तो विकास संभव है। उन्होंने अपने पुराने पुश्तैनी मकान का भी पुनर्निर्माण कर उसे भव्य दो मंजिला भवन में तब्दील किया। उन्होंने अपने माता पिता का सपनो को साकार किया चंद्र प्रकाश कुकरेती बताते कि उनके पिता भी समाज सेवा में हमेश तत्पर रहते थे। उनकी प्रेरणा से ही वह इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। चंद्र प्रकाश कुकरेती की ओर से क्षेत्र में विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया। इस आयोजन में मुख्यातिथि जिला पंचायत सदस्य गढ़कोट श्रीमतीसविता देवी के अलावा ग्राम प्रधान श्रीमती रेनू कपटियाल, सुरजी देवी,योग शिक्षिका मिन्तेश चौधरी,समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुनीता देवी सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

शिविर में 30 यूनिट रक्तदान किया

श्रीनगर गढ़वाल। डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) की ओर से एचएनबी बेस हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना के नेतृत्व में आयोजित शिविर में युवाओं और एमबीबीएस के छात्रों ने भाग लिया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित **निविदा संख्या– 11/2025–26, 12/2025–26, 13/2025–26 एवं 14/2025–26** जोकि दिनांक– 13/04/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं को क्रय करने की तिथि को दिनांक– 22/04/2026 को पूर्वाहन् 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराहन् 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्ते पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता,
वि०वि० खण्ड, नैनीडांडा
पत्रांक : 41/वि०वि०ख०(नै०)/उपाकालि०/टी–6 दिनांक : 13.04.2026

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

नई उम्मीदों की उड़ान

भव्य आयोजन के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग की एक बड़ी परियोजना फलीभूत हो चुकी है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक का या हाईवे न केवल आवागमन बल्कि दिल्ली देहरादून और उत्तर प्रदेश के बीच आपसी व्यापार रोजगार एवं सांस्कृतिक विरासत के भी द्वार खोलेगा। 12000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ यह हाईवे उत्तराखंड के लिए रोजगार और पर्यटन का ग्रीन कॉरिडोर खोलेगा। दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई से 3 घंटे तक सीमित कर देने वाला यह हाईवे उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा के साथ ही पर्यटन के क्षेत्र को भी नई दिशा देगा।यह परियोजना न केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला ग्रीन कॉरिडोर साबित होगी जो उत्तराखंड की एक नई दिशा तय करेगी। निश्चित तौर पर व्यापारिक लेनदेन की दृष्टि से यह एक बड़ी महत्वाकांक्षी योजना है। उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पाद सड़क मार्ग से देश के विभिन्न राज्यों तक पहुंचने में भी एक बड़ी भूमिका यह हाईवे निभाने वाला है। हालांकि पूरी परियोजना बहुत उद्देश्य व कई खूबियों से भरी हुई है लेकिन एक बड़ी चिंता इस हाइवे पर रफ्तार को लेकर भी है। हाईवे का उद्घाटन होने से पूर्व ही कई वाहनों की भिड़ंत ने भविष्य की हाईवे परिवहन व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए थे। यह भेज जरूरी होगा की हाईवे पर वाहनों की रफ्तार की प्रति स्पर्धा ना रखते हुए इसे शहर सुलभ आवागमन की दृष्टि से प्रयोग किया जाए। जिस कार्य के लिए एक बड़ी परियोजना को देश को समर्पित किया गया है उसे सुरक्षित बनाते हुए इसका प्रयोग करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी भी है।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

कैनवास पर जिंदगीः जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेड़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्य बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली

संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूंककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वर्पूण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

ताइवान और चीन में नरमी के संकेत, शुरू करेंगे सीधी उड़ान

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। चीन ने रविवार को ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक बहाल करने का एलान किया है। इनमें चीनी शहरों के लिए सीधी उड़ानें व ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात शामिल है। ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता चेंग ली-वुन ने लंबे अरसे बाद हाल ही में चीन की यात्रा पर थीं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी व ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा। इसके साथ ही ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नेपाल : पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सविना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया। हेड्स नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

क्वींसलैंड में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अस्पताल में भर्ती

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में 24 घंटे के भीतर हुई तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उनकी जान को खतरा है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) ने एक बयान में कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 बजे के आसपास ब्रिस्बेन से 60 किलोमीटर दक्षिण में स्थित छोटे शहर क्रायना के पास एक राजमार्ग पर एक वाहन के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे के कुछ ही समय बाद क्रायना से 20 किलोमीटर पूर्व में माउंट टैम्बोरिन में दो कारों और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था।

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।'

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।'

हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा। हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए।' 2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है।' इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

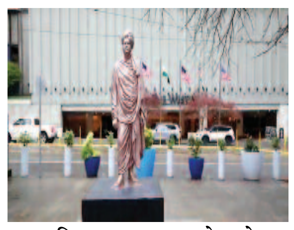

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी.

सिएटल की मेयर और भारत के महावाणिज्य दूत ने किया प्रतिमा का अनावरण : अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्वामी की शिकागो यात्रा का जिक्र किया सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों को मजबूत करने की पहल सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की. महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई , एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट)7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

हंगरी में बड़ा उलटफेर, 16 साल बाद गई ट्रंप के करीबी की सत्ता; विक्टर ओरबान हारे

बुडापेस्ट, एजेंसी। हंगरी में रविवार को हुए आम चुनावों में विपक्षी तिसा पार्टी को दो तिहाई बहुमत हासिल हो गया है। इस तरह बीते 16 साल से सत्ता में बने हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान की फिडेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार देर रात हंगरी के चुनाव आयोग ने बताया कि 84।91 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद तिसा पार्टी ने 199 में से 138 सीटें जीत ली हैं। इस तरह, उसे संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी बहुमत मिल गया है।

इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री ओरबान ने अपनी हार स्वीकार करते हुए बुडापेस्ट में अपने समर्थकों से कहा, 'भले जो हो, हम विपक्ष में रहकर मातृभूमि की सेवा करेंगे।' उन्होंने तिसा पार्टी के नेता पीटर मागयार को फोन कर जीत की बधाई दी। इस जीत के साथ माग्यार हंगरी में जरूरी सुधार कर पाएंगे जिसके लिए संवैधानिक बदलाव करने होंगे। इनमें ओरबान के दौर में नियुक्त किए अहम अधिकारियों को हटाना भी शामिल है। अगर मागयार के पास दो तिहाई बहुमत ना होता, तो इस तरह के कदमों को संवैधानिक अदालत रोक देती।

माग्यार ने जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'हमने कर दिखाया... मिलकर हमने ओरबान की सत्ता को गिरा दिया... एक साथ मिलकर।' 45 साल के माग्यार ने बुडापेस्ट में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने हंगरी को आजाद करा दिया। हमने अपनी मातृभूमि को वापस ले लिया है।

जीत पर बधाई : माग्यार को शानदार जीत पर जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हंगरी ने जनादेश दे दिया है। मैं एक मजबूत, सुरक्षित, और सबसे जरूरी एकजुट यूरोप के लिए आपके साथ मिलकर करने को उत्सुक हूं।' जर्मनी और दूसरे यूरोपीय देशों का प्रधानमंत्री ओरबान के साथ टकराव होता रहा है क्योंकि उन्होंने यूक्रेन को दी जाने वाली मदद को बार बार रोका और यूरोपीय संघ से उच्च स्तर की सूचनाएं रूस को मुहैया कराईं।

रूस और अमेरिका के करीबी थी विक्टर ओरबान : ओरबान के रूस से नजदीकी संबंध हैं जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके समर्थकों में गिने जाते हैं। लेकिन मीडिया की आजादी, भ्रष्टाचार के आरोप, सख्त माइग्रेशन नीति और अहम नीतियों पर यूरोपीय संघ से टकराव जैसे मुद्दों को लेकर उनके खिलाफ रोष बढ़ रहा है।

अब हंगरी के चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेयर लायन ने कहा कि हंगरी ने यूरोप को चुना है। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से यूरोपीय संघ और मजबूत होगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल माक्रों ने माग्यार को बधाई दी और उन्हें 'अधिक संप्रभु यूरोप की तरफ' जाने के लिए आमंत्रित किया।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क काभी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि इस वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई। अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछले सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया। दुनियाभर में शुरू हो गई बहस कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीकीनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की mRNA वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी। स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं!' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना।' एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।' उन्होंने पोप के राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत की भी आलोचना की और पूर्व सलाहकार डेविड एक्सलरॉड का जिक्र करते हुए कहा, 'लियो को पोप के तौर पर अपना काम ठीक से करना चाहिए। कट्टरपंथी वामपंथ की सेवा करना बंद करें और एक महान पोप बनने पर ध्यान दें, न कि एक राजनेता बनने पर।'

ये बातें ट्रंप और वेटिकन के बीच बढ़ती दरार को दिखाती हैं, जिसमें दोनों पक्ष युद्ध और डिप्लोमेसी से लेकर इमिग्रेशन और घरेलू नीति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते हैं।

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्व में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुड्ढा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

एक नजर

छह माह के लिए खुले गौरी माई मंदिर के कपाट

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के अहम पड़ाव गौरीकुंड में मां गौरी माई मंदिर के कपाट मंगलवार को सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इस दौरान भक्तों ने मां गौरी के दर्शन कर आशीष लिया। मंगलवार को बैसाखी पर गौरी गांव में पुजारी ने पूजा–अर्चना की। इसके बाद माता की भोग मूर्तियों को कंडी में रखकर गांव से गौरीकुंड स्थित गौरीमाई मंदिर लाया गया। मंदिर मठापति संपूर्णानंद गोस्वामी ने बताया कि सुबह मंदिर पहुंचे कुल पुरोहित, मंदिर समिति एवं हकहकूक धारियों की मौजूदगी में मंदिर के कपाट छह माह के लिए भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए। भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी, सरपंच मुकेश गोस्वामी, महादेव गोस्वामी, सुशील, संदीप गोस्वामी, गणेश गोस्वामी, दामोदर गोस्वामी, दीर्घायु, कैलाश व व्यापारी एवं मंदिर समिति के कर्मचारी मौजूद रहे।

समाज कार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बने बृजपाल रावत

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड समाजकार्य परिषद का गठन कर कार्यकारिणी घोषित की गई है। कार्यकारिणी में देहरादून से बृजपाल रावत को प्रदेश अध्यक्ष, श्रीनगर से अतुल सती, देहरादून से रमेश गड़िया व अंकुर रावत को प्रदेश महामंत्री, गोविंद चौहान, विपिन चंद्र, अनुराधा व आशीष पंत को प्रदेश उपाध्यक्ष, योगेश पांडेय, अजय बडोनी, डिंपल थपलियाल, अंजलि पंवार व नयन पांथरी को प्रदेश सचिव, डॉ. रंजिता जुयाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। दीप्ति, हरीश, खुशबू व राहुल कैंतुरा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। संरक्षक मंडल में डॉ. जय प्रकाश भट्ट, डॉ. नितिन, हेम बहुगुणा, राकेश डोभाल, मनवीर माही, डॉ. भान सिंह नेगी, विजेंद्र मनेसा शामिल हैं। प्रदेश महामंत्री अतुल सती ने कहा कि समाजकार्य परिषद समाजकार्य से जुड़े पेशेवरों व समाजकार्य की पढ़ाई कर रहे छात्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। मेडिकल कॉलेजों की तर्ज पर जिला चिकित्सालयों, उपजिला चिकित्सालयों व सीएचसी में एमएसडब्ल्यूओ के पदों का शीघ्र सृजन करने की मांग की गई। साथ ही हरिद्वार एवं पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में आउटसोर्स के माध्यम से भरे जा रहे एमएसडब्ल्यूओ पदों को नियमित भर्ती के माध्यम से भरने की मांग भी की गई। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध महाविद्यालयों में समाज कार्य विषय जैसे रोजगारपरक कोर्सों के संचालन की मांग भी की।

श्रीनगर में घर–घर स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान फिर तेज

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम क्षेत्र में घरों में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने का रुका हुआ काम एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। ऊर्जा निगम ने इस अभियान को अब तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी कर ली है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भले ही कुछ उपभोक्ता अभी इसका विरोध कर रहे हों लेकिन आने वाले समय में सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगवाना पूरी तरह अनिवार्य होगा। श्रीनगर विद्युत विभाग के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीकोट क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम लगभग 90 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, श्रीनगर मुख्य शहर के विभिन्न मोहल्लों में भी काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक कंसमर्दिनी, डाक बंगला, कमलेश्वर और ब्राह्मण मोहल्ला में करीब 500 स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। विभाग का लक्ष्य जल्द से जल्द पूरे नगर निगम क्षेत्र को स्मार्ट मीटर से कवर करना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता वर्तमान में स्मार्ट मीटर लगाने पर आपत्ति जता रहा है तो विभाग फिलहाल उनके यहां मीटर नहीं लगा रहा है। हालांकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकारी गाइडलाइन के अनुसार हर घर में स्मार्ट मीटर लगना अनिवार्य है। ऐसे में जो लोग अभी आनाकानी कर रहे हैं, उन्हें भी अंततः यह मीटर लगवाना ही पड़ेगा। विभाग जल्द ही सभी इलाकों में यह कार्य पूरा कर लेगा।

फायर टीम ने रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद में अग्नि सेवा सप्ताह का मंगलवार को शुभारंभ हो गया। फायर स्टेशन में पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान 1944 के मुंबई डॉक विस्फोट में बलिदान हुए अग्निशमन कर्मियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और अग्नि सुरक्षा की शपथ ली गई। इसके बाद जन–जागरूकता के लिए फायर सर्विस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने आमजन से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत फायर स्टेशन को सूचना दें।

बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि, रैली निकाली

रुद्रप्रयाग। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बामसेफ इकाई व एससीएसटी वैचारिक महासभा के कार्यकर्ताओं ने नगर में जागरूकता रैली निकाली। रैली मुख्य बाजार से शुरू हुई और जागरूकता का संदेश देती हुई ब्लॉक मुख्यालय पहुंची। यहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बामसेफ इकाई के जिला रुद्रप्रयाग के अध्यक्ष धीरज श्रीकोटी ने डॉ आंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक रहा है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। बामसेफ के राज्य कार्यकारिणी सदस्य संतोष काला, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रघुनाथ आर्य व सचिव विजय भारती ने कहा कि समाज में शिक्षा, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। इस अवसर पर विजय भारती, पूर्व प्रधान बलवीर लाल, देवेंद्र, सुषमा देवी, राकेश बैरवाण, महावीर रंगवाण, अजय कुमार, रजपाल, विनोद कुमार पंवार, अभिषेक आर्य आदि उपस्थित रहे।

एनएमओपीएस की गढ़वाल मंडल कार्यकारिणी का किया गठन

श्रीनगर गढ़वाल। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस), उत्तराखंड के अंतर्गत पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन को मजबूती देने के उद्देश्य से गढ़वाल मंडल कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसके तहत विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को संगठन में जिम्मेदारियां सौंपी हैं। संगठन के गढ़वाल मंडल महामंत्री डॉ. देवेंद्र फरस्वाण ने बताया कि नई कार्यकारिणी में महिपाल सिंह चौहान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपक भट्ट व वीरेन्द्र सिंह पंवार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सुरेंद्र सिंह असवाल, मोहित मनोचा व गुरु प्रसाद भट्ट को संयुक्त मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अनूप सिंह नेगी, राकेश गैरोला, संजय सिंह बिष्ट और विक्रम सिंह राणा को सह संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है।

थत्यूड़–अगलाड़ सड़क का नहीं हो पाया चौड़ीकरण

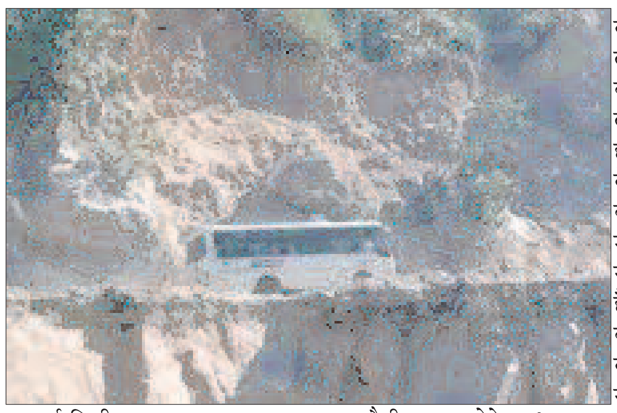

नई टिहरी। थत्यूड़–अगलाड सड़क का चौड़ीकरण न होने से सड़क बेहद संकरी होने के साथ जोखिम भरी है। क्रैश बेरियर न लगे से होने से सड़क पर वाहन दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। लोक निर्माण थत्यूड़ कार्यालय से महज 100 मीटर की दूरी पर थत्यूड़ अगलाड़ सड़क का दो दशक बाद भी विस्तारीकरण नहीं हो पाया है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क के किनारे क्रैश बैरियर लगाने के साथ सड़क के चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं। लेकिन न तो सड़क का चौड़ीकरण हो पाया और न ही सुरक्षा की दृष्टि से क्रैश बेरियर लग पाएं। क्रैश बेरियर न लगे होने के कारण वर्ष 2016 में एक कार के खाई में गिरने कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना कि सड़क संकरी होने के साथ कई जगहों पर डेंजर जोन भी है। दो बड़े वाहन एक साथ पास नहीं हो सकते हैं। कई बार लोनिवि से सड़क चौड़ीकरण के और क्रैश बैरियर लगाने की गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से शीघ्र सड़क पर क्रेश बैरियर लगाने की मांग की है। इस बाबत लोनिवि थत्यूड़ के अधिशासी अभियंता राजेंद्र टम्टा का कहना कि विभाग की ओर से पूर्व में क्रैश बैरियर लगाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। धनराशि मिलने के बाद क्रैश बैरियर लगाने का कार्य किया जाएगा।

बैसाख की संक्रांति पर तरसौड़ का मेला शुरू

नई टिहरी। बैसाख संक्रांति पर्व से पहाड़ में थौल मेलों की शुरूआत हो गई है। थौलधार ब्लॉक के कंडीसौड़ में संक्रांति पर्व पर तरसौड़ का मेला हुआ। वर्ष 2005 से पूर्व भागीरथी नदी तट के समीप तरसौड़ का मेला आयोजित होता था। टिहरी बांध की झील बनने के बाद तरसौड़ का मेला कंडीसौड़ बाजार में लगता है। पूर्व ग्राम प्रधान जसोदा देवी, पुष्पा देवी बताती हैं कि बैसाख की संक्रांति (बिखोत) पर्व का बड़ा महत्व है। इसी दिन से शादी के साथ मांगलिक कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं। स्थानीय निवासी गंगा प्रसाद खंडूड़ी ने बताया कि गत 20 वर्षों से कंडीसौड़ बाजार में ही मेले का आयोजित होता आ रहा है। मेले में सहारनपुर, मुजफ्फनगर, खतौली, रुड़की से बड़ी संख्या में दुकानदार पहुंचते हैं। 65 वर्षीय दुकानदार युसूफ बताते हैं कि वे 20 साल की उम्र में पहाड़ में लगने वाले मेलों में चूड़ी–बिंदी आदि बेचने का काम करते आ रहे हैं लेकिन बदलते समय के साथ गांव–गांव में छोटी–छोटी दुकानें खुल गई है।

गेंवाली पुल निर्माण में लापरवाही पर ईई का वेतन रोका

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गेंवाली को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन मोटर पुल के कार्यों में लापरवाही बरतने पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता अविनाश कुमार सैनी के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भी भेजा है। बीते नौ अप्रैल को डीएम नितिका ने गेंवाली गांव पहुंचकर विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान गेंवाली को जोड़ने वाले मोटर पुल की प्रगति बेहद धीमी पाई गई। पुल निर्माण में संतोषजनक प्रगति न होने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए तत्काल प्रभाव से ईई का वेतन रोकने के निर्देश दिए। बीते अगस्त–सितंबर में आपदा से गेंवाली गांव में खेती को भारी नुकसान पहुंचा था और संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो

गए थे। इसके बाद सितंबर में डीएम ने पुल निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए ईई को नियमित निगरानी के निर्देश दिए थे। उस समय ईई ने दिसंबर 2025 तक कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया था। तब से सात माह बीतने के बाद भी कार्य में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर डीएम ने इसे गंभीर लापरवाही माना।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत, युवक घायल

नई टिहरी। ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर नागणी बाजार के समीप दोपहिया वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। बाइक सवार घायल हो गया। उसे उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर में भर्ती किया गया है। नागणी चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि नेपाली मूल की सुरमा देवी (52) जाजल में रहती थी। वह बेटे राज के साथ नागणी आई हुई थी। दोपहर करीब 12.30 नागणी के समीप वह बस में बैठने का इंतजार कर रही थी। तभी चंबा से ऋषिकेश जा रही बस के आने से महिला उसमें बैठने के लिए सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से देहरादून से भागीरथीपुरम आ रहे शिवम चमोली (19) पुत्र सुरेश चमोली की बाइक की चपेट में महिला आ गई।

शिक्षक और जनसहयोग ने बदली जखोना विद्यालय की तस्वीर

नई टिहरी। अभिभावकों और शिक्षकों के आपसी सहयोग से भिलंगना ब्लॉक के कंडारस्यूं क्षेत्र में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय जखोना प्रथम की तस्वीर बदल गई है। कभी मरम्मत के अभाव में खंडहर में तब्दील होता विद्यालय भवन अब आकर्षक स्वरूप में नजर आ रहा है जिससे क्षेत्र के अभिभावकों में सरकारी स्कूल के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। छात्र संख्या 10 से बढ़कर 31 तक पहुंच गई है। भिलंगना ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जखोना प्रथम ने जनसहयोग और शिक्षक की पहल से ऐसा बदलाव देखा है जो सरकारी स्कूलों के लिए प्रेरक बन गया है। 1960 के दशक में बना यह विद्यालय लंबे समय से मरम्मत के अभाव में जर्जर होकर खंडहर में तब्दील होने लगा था लेकिन अब यह आकर्षक स्वरूप में नजर आ रहा है और छात्रों की पसंद भी बनता जा रहा है। स्कूल भवन की खराब स्थिति को लेकर शिक्षक और अभिभावक लंबे समय से शिक्षा विभाग से मरम्मत की मांग कर रहे थे लेकिन धनराशि स्वीकृत नहीं हो पाई। प्रधानाध्यापक सुधीर कोहली ने वर्ष 2022 में कार्यभार संभालने के बाद जनसहयोग से स्कूल को संवारने की पहल की। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से सहयोग जुटाया जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। विद्यालय के विकास के लिए क्षेत्रीय विधायक शक्ति लाल शाह ने तीन लाख रुपये और तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख बसुमति घणाता ने दो लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर भी सहयोग मिला। स्कूल दीवारों पर शैक्षिक चित्रकारी के लिए अनिल चौहान और विद्यालय गेट निर्माण के लिए प्रवासी बच्चीराम डिमरी ने आर्थिक योगदान दिया। सामूहिक प्रयास से विद्यालय भवन का जीर्णोद्धार, रंग–रोगन और सौंदर्यीकरण किया गया जिससे स्कूल का पूरा वातावरण बदल गया। विद्यालय की दीवारों को रंग–बिरंगी शैक्षिक पेंटिंग से सजाया गया है जिनमें बच्चों के लिए उपयोगी विषयों को चित्रों और लेखन के माध्यम से दर्शाया गया है। बेहतर माहौल का असर अब छात्र नामांकन पर भी दिखाई दे रहा है। वर्ष 2022 में जहां विद्यालय में मात्र 10 छात्र थे वहीं अब छात्र संख्या बढ़कर 31 पहुंच गई है।

काशीपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई आंबेडकर जयंती

काशीपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नगर में आंबेडकर संदेश शोभायात्रा निकाली गई। मंगलवार को डॉ. आंबेडकर स्मारक ट्रस्ट सोसायटी की ओर से आंबेडकर भवन टांडा उज्जैन में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा व विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा व ट्रस्ट के अध्यक्ष व संस्थापक जोईल मसीह ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूली छात्र–छात्राओं ने नाटक, भाषण प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न देकर शिक्षण सामग्री बांटी गई। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष शमशुद्दीन, भास्कर त्यागी, मो. अशरफ, विजय कुमार बॉबी, अरुण चौहान आदि मौजूद रहे।

उधर, कुंडेश्वरी में आंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर कल्याण समिति की ओर से कार्यक्रम हुआ। यहां मुन्नू सिंह, मुकेश नमी, रामप्रसाद आदि मौजूद रहे। इधर, महानगर कांग्रेस कमेटी ने महाराणा प्रताप चौक पर भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अलका पाल, प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, ब्रह्मपाल, विमल गुड़िया, हरीश कुमार सिंह, संजय चतुर्वेदी, संदीप सहगल आदि मौजूद रहे। उधर, उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता समेत शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्रों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इधर, डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समाज समिति ने नगर निगम से आंबेडकर संदेश शोभा यात्रा निकाली। यहां समिति अध्यक्ष सुक्लेश कुमार आजाद, महिलाल गौतम, हरगुलाल गौतम, शंकर सिंह रहे।

फिताड़ी अग्निकांड पीड़ितों से मिले हरक सिंह रावत

उत्तरकाशी। पूर्व कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत सोमवार देर शाम मोरी क्षेत्र के फिताड़ी गांव पहुंचे। उन्होंने हाल ही में हुए फिताड़ी अग्निकांड से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि सरकार ने अग्निकांड से प्रभावित परिवारों की सुध नहीं ली है। मुलाकात के दौरान रावत ने कहा कि अग्निकांड में कई परिवारों का सबकुछ जलकर राख हो गया लेकिन सरकार की ओर से दी जा रही राहत राशि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बेहद कम और अपर्याप्त है। आपदा की इस घड़ी में सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए प्रभावितों की समुचित सहायता करनी चाहिए थी जो नजर नहीं आ रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने इसे संवेदनहीन करार दिया और कहा कि पीड़ित परिवारों को तत्काल और पर्याप्त मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों के कारण आपदा के समय राहत व बचाव कार्य प्रभावित होते हैं जिससे हालात और गंभीर हो जाते हैं।

फायर सीजन के बीच 100 वन कर्मी जनगणना ड्यूटी में लगाए

हल्द्वानी। उत्तराखंड के जंगलों में बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि (फॉरेस्ट फायर) का खतरा गहराने लगा है। फायर सीजन की चुनौतियों के बावजूद, कुमाऊंमंडल के करीब 100 वन कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।जानकारी के मुताबिक, अकेले तराई पश्चिमी वन प्रभाग से सबसे ज्यादा 32 कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया गया है, जबकि अन्य प्रभागों से भी फील्ड स्टाफ की तैनाती की गई है। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी से 15 जून तक चलने वाले फायर सीजन के मद्देनजर विभाग पहले ही सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर चुका है, ताकि वनाग्नि की घटनाओं से निपटने में कोई कोताही न हो।नियमित स्टाफ बाहरवनाग्नि से निपटने के लिए वन विभाग कुमाऊं में अनुबंध के आधार पर 2,620 फायर वाचर रखने की योजना पर काम कर रहा है। इनमें से कई की संवेदनशील इलाकों में तैनाती भी हो चुकी है। सबसे अधिक 395 फायर वाचर चम्पावत, 322 नैनीताल और 263 अल्मोड़ा वन प्रभाग में रखे जाने हैं। विरोधाभास यह है कि जहां विभाग आग बुझाने के लिए बाहरी मदद ले रहा है, वहीं अपने नियमित और जिम्मेदार कर्मचारियों को जनगणना जैसे गैर–वानिकी कार्यों में भेज रहा है।

कोतवाली में की नशे के आदी युवाओं की काउंसिलिंग

उत्तरकाशी। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस की ओर से नशा उन्मूलन के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। एक ओर पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है वहीं दूसरी ओर नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन व पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षक में कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस ने चिह्नित नशाग्रस्त युवाओं की काउंसलिंग की। प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया। काउंसलिंग के दौरान पुलिस ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि उसके मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। विशेष रूप से युवा वर्ग तेजी से इसकी गिरफ्त में आ रहा है जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

खालसा चेतना मार्च में उमड़ी संगत

रुद्रपुर। खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व पर मंगलवार को गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा, सितारगंज से गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब तक 20वां महान खालसा चेतना मार्च निकाला गया। गुरुद्वारा में अरदास के बाद श्री गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन शुरू हुआ। सिख संगत सेवा सोसायटी की ओर से निकले मार्च का नगर के मुख्य चौक, महाराणा प्रताप चौक, तुर्कातिसौर, बधौरा, चीकाघाट, सिसईखेड़ा, बिडौरा और नानकमत्ता में जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया। मार्ग में महिलाएं झाड़ू लगाकर सफाई करती रहीं, जबकि संगत ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धा प्रकट की। श्रद्धालुओं ने पालकी में मत्था टेककर सुख–समृद्धि की कामना की और धार्मिक जत्थों ने गुरुओं की महिमा का गुणगान किया। बैगपाइपर बैंड आकर्षण का केंद्र रहा, वहीं गतका पार्टी ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। जगह–जगह संगत के लिए प्रसाद का वितरण किया गया। सोसायटी के संयोजक सोप्रीत बॉबी भाटिया व प्रधान बलबीर सिंह ने बताया कि सिख समाज की विरासत को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष यह आयोजन किया जाता है। करीब 13 किमी की दूरी तय कर मार्च गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब पहुंचा।

स्वयंसेवियों ने आंबेडकर जयंती पर स्वच्छता रैली निकाली

उत्तरकाशी। नई टिहरी में डॉ भीमराव आंबेडकर पार्क में भाजपा, भीम आर्मी जय संगठन, भीम आर्मी भारत एकता मिशन, बहुजन समाज पार्टी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ें लोगों ने बाबा साहेब की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करते उन्हें संविधान निर्माता, कुशल अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद्, लेखक बताया। दबे कुचले लोगों को उनके अधिकार देने के लिए आजीवन संघर्ष किया है। एसआरटी परिसर बादशाहीथौल परिसर के कार्यवाहक निदेशक प्रो शंकरलाल के नेतृत्व में एनएसएस स्वयंसेवियों ने आंबेडकर जयंती पर स्वच्छता रैली निकाली। बौराड़ी स्थित ढुंगीधार में डॉ आंबेडकर जाति अनुसूचित जनजाति छात्रावास एवं जन कल्याण समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में छात्रावास के अध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल के नेतृत्व में छात्रों ने बाबा साहब को याद किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, राकेश राणा, आशा रावत, डॉ प्रमोद उनियाल, राजेंद्र डोभाल, तौफिक अहमद, रतन पाल मौजूद थे। इधर जाखणीधार के मंदार गांव में अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य सुनीता देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आंबेडकर की जयंती मनाई। वहीं थत्यूड़ के रामलीला मैदान में समाजसेवी अनिल व भीमराव जन जागृति समिति के अध्यक्ष शिवदास के नेतृत्व में लोगों ने बाबा साहब की मूर्ति पर पुष्प अर्पित उन्हें याद किया। इस मौके पर एसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कोहली, दीपक सजवाण, सुभाष सुमन, केशव , महेश नीतिन, अरुण, अंशुल, आदि मौजूद थे। इधर घनसाली, लंबगांव, चंबा, नैनबाग, कंडीसौड़ और नरेंद्रनगर में संविधान निर्माता डॉ राव की जयंती पर सामाजिक और राजनैतिक संगठनों के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), ऋुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

–सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ है। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।